भगत पुकारे आज मावड़ी आके लाज बचा जा ऐ भजन लिरिक्स

भगत पुकारे आज मावड़ी,
आके लाज बचा जा ऐ,
दु:ख पावे है टाबर थारा,
आके कष्ट मिटा जा ऐ,
भक्त पुकारे आज मावड़ी,
आके लाज बचा जा ऐ।bd।

तर्ज – रो रो कर फरियाद करा हाँ।

सर पे हमारे गम के बादल,
जब जब भी मंडराते है,
और ना कुछ भी भावे दादी,
थारी याद सतावे है,
सुन ले म्हारी अर्जी दादी,
मन की बात बतावा ऐ,
भक्त पुकारे आज मावड़ी,
आके लाज बचा जा ऐ।bd।

कर सोलह श्रृंगार भवानी,
म्हारे घरा जद आवोगा,
तन मन धन सब वार दिया माँ,
यो जीवन अब वारंगा,
डग मग डोले नैया म्हारी,
भव से पार लगा जा ऐ,
भक्त पुकारे आज मावड़ी,
आके लाज बचा जा ऐ।bd।

झुंझनू की धरती है पावन,
माटी तिलक लगावा जी,
दिन दुखी दरवाजे आवे,
हर संकट कट जावे जी,
'आकाश परिचय' झुक झुक दादी,
थारा दर्शन पावा ऐ,
भक्त पुकारे आज मावड़ी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आके लाज बचा जा ऐ।bd।

भगत पुकारे आज मावड़ी,
आके लाज बचा जा ऐ,
दु:ख पावे है टाबर थारा,
आके कष्ट मिटा जा ऐ,
भक्त पुकारे आज मावड़ी,
आके लाज बचा जा ऐ।bd।

Singer – Akash Parichay Dadhich

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com